उपभोक्ताओं को सीधे बेचा जा सकेगा बायोडीजल

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में मिली मंजूरी

सुभाष राज @ नई दिल्ली
jaipur@patrika.com

बायो डीजल के उत्पादकों के लिए खुशखबर। वे इसको सीधे उपभोक्ताओं को बेच सकेंगे। अब तक ऑयल कम्पनियों के जरिए इसकी सीधी बिक्री होती है। रेलवे और सरकारी परिवहन निगम भी सीधे इसकी खरीद के लिए स्वतंत्र हो जाएंगे। बायो डीजल के लिए आवश्यक फसलों का राजस्थान देश में बड़ा उत्पादक है।

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की शुक्रवार को हुई बैठक में मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल नियंत्रण आदेश में संशोधन को मंजूरी के साथ निजी बायो डीजल उत्पादक, उनके अधिकृत डीलर तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से अधिकृत मार्केटिंग कम्पनियों के संयुक्त उपक्रमों को डीलर रूप में मान्यता प्रदान करने का रास्ता भी साफ हो गया। देश में एक जनवरी 2006 से बायो डीजल खरीद नीति लागू है। ऑयल मार्केटिंग कम्पनियां डीजल में मिश्रण के लिए इसे खरीदती और हाई स्पीड डीजल में पांच प्रतिशत मिश्रण के पश्चात बिक्री के लिए बाजार में भेजती थी।

राजस्थान के बारां, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, राजसमंद, सिरोही, उदयपुर व प्रतापगढ़ जिलों की 41 हजार 127 हैक्टेयर जमीन वेस्टलैंड के रूप में अधिसूचित है। इसमें से 12 हजार 858 हेक्टेयर जमीन बायो डीजल फसल रतनजोत और करंज की खेती के लिए आवंटित है। राज्य कृषि विभाग के प्रोत्साहन पर किसान भी अपने खेतों में रतनजोत इत्यादि उपजाते हैं। इसके प्रोत्साहन के लिए सरकार ने बायोफ्यूल अथारिटी बना रखी है।

उदयपुर में बनता है बायो डीजल

राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स ने उदयपुर जिले के झामरकोटड़ा में रतनजोत से बायो डीजल बनाने का प्लांट लगा रखा है। प्रतिदिन एक टन बायो डीजल उत्पादन क्षमता वाले इस प्लांट में बीते वर्ष की समाप्ति तक 63 हजार लीटर बायोडीजल उत्पादित किया जा चुका है।

फैसला किसानों के हित में

बायोफ्यूल प्राधिकरण के अध्यक्ष और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्यमंत्री सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल का फैसला किसानों के हित में है। इससे प्रदेश बायो डीजल उत्पादकों की पहली कतार में खड़ा हो सकेगा।